IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, March 2026
Impact Factor: 8.2

हाशिए से इतिहास के केंद्र तक: स्वाधीनता आन्दोलन में कोल जनजातियों की भूमिका

राकेश कुमार कोल

शोधार्थी

सारांश

भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन का प्रचलित इतिहास प्रायः राजनीतिक नेतृत्व, शहरी मध्यवर्ग और संगठित राष्ट्रवादी संस्थाओं के इर्द-गिर्द निर्मित हुआ है। इस प्रक्रिया में जनजातीय समुदायों के संघर्षों को या तो स्थानीय 'उपद्रव' कहा गया या उन्हें राष्ट्रीय चेतना से पृथक मान लिया गया। प्रस्तुत शोधपत्र इस स्थापित दृष्टिकोण को चुनौती देते हुए यह प्रतिपादित करता है कि कोल जनजाति का 1831–32 का विद्रोह भारतीय राष्ट्रवाद की प्रारंभिक सामाजिक जड़ों का प्रतिनिधित्व करता है। यह अध्ययन कोल संघर्ष को 'सीमांत विद्रोह' नहीं, बल्कि औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध उभरती जनचेतना के एक सशक्त रूप में स्थापित करने का प्रयास है।

मुख्य शब्द: कोल जनजाति, जनजातीय प्रतिरोध, स्वाधीनता आन्दोलन, औपनिवेशिक शासन, उपनिवेशोत्तरइतिहासलेखन

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-31465